

6⁶/₁₈

पत्रावली का अन्त कोर्ट पुर में पेश हुई। वादीगण का
वाद विजयी किया जाता है। निर्णय पुराने से आगे
पत्रावली किया गया। पत्रावली पर लगे अन्त कोर्ट
अन्त लेना ही नहीं वाद अन्त कोर्ट लेना
है।

उपखण्ड अधिकारी
कोटकासिम (अलवर)

राजस्थान सरकार

(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

(न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम)
(पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कैम्प कोर्ट) कैम्प.....पुए

पीठासीन अधिकारी श्री विद्या भैरव मीना R.A.S.
उनवान मोहन लाल बनाम जगदीश

वा बाबत:- सं.सं. 188 राज. का.स. अ.सं.
कदमा नम्बर:- 153/17
वर्णन दिनांक:- C.C. 2018

वादी की ओर से श्री विद्या भैरव मीना की व प्रतिवादी की ओर से
नी उपस्थिति में आज तारीख को (नाम पीठासीन अधिकारी) के समक्ष अन्तिम

पटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिग्री दी जाती कि - वादी का वाद विचारित
इसकी सहायता से सं. नं. 215/0-3300, 182/1-2400 इत्यादि वक्त
अपने नौकरागार के समीप कोटकासिम के निकट विचारित किया जाता है। प्रतिवादी को
को एक महीने के अवधि में पटारे विचारित किया जाये कि जो आज रास्ता
सं. नं. 216 व 217 की सहायता से इसकी सं. नं. 183 में आने वाले को विचार
विचारित करना को नया पटारा रास्ता को विचारित करना को नया पटारा
करे, ना ही विचारित को इसकी सहायता से विचारित किया जाये, ना ही रास्ता कायम करें
ना ही वादी को नया कायम में मजहूर व मजहूर मत दें, करें, सोका की रास्ता विचारित
कायम रखें।

खर्चा पक्षकारन अपना-अपना वहन करेंगे।
यह आज तारीख 6.6.18 को मौ हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुदा लगाकर दी गई।

CM
(विद्या भैरव मीना R.A.S)

पीठासीन अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम

वाद के खर्चे